Kurukshetra University
Kurukshetra

Scheme of Examination and Syllabus for
Under-Graduate Programme (Multidisciplinary)

Subject: Sanskrit

Under Multiple Entry-Exit, Internship and CBCS-LOCF in accordance to NEP-2020 w.e.f 2023-24 (in phased manner)

Kurukshetra University Kurukshetra
Scheme of Courses in Sanskrit for U.G Programme Subject Sanskrit
as per NEP 2020 (Multiple Entry-Exit, Internships and Choice Based Credit System)
(in the phased manner)

Semester	**CORE COURSES Sanskrit**	**Paper**	**Nomenclature of Paper**	**Credits**	**Contact hours (Theory+ Tutorial)**	**Internal Marks**	**External Marks**	**Total**	**Duration of Exam (Hrs.)**
I	CC-1/ MCC-1	B23-SKT-101	नीतिसाहित्यं व्याकरणं च	4	4	30	70	100	3
	MCC-2	B23-SKT--102	रघुवंशं बुद्धचरितं च	4	4	30	70	100	3
	MDC-1	B23-SKT-103	संस्कृत–सम्भाषणम्	3	3	25	50	75	3
	CC-M1	B23-SKT-104	प्रयोगात्मक–संस्कृतम्	2	2	15	35	50	2
II	CC-2/ MCC-3	B23-SKT-201	श्रीमद्भगवद्गीता, स्वस्थवृत्तं छन्दशास्त्रं च	4	4	30	70	100	3
	DSEC-1	B23-SKT-202	किरातार्जुनीयं नीतिशतकं च	4	4	30	70	100	3
	MDC-2	B23-SKT-203	योगासनम् एवं ध्यानम्	3	3	25	50	75	3
	CC-M2	B23-SKT-204	संस्कृत–चयनिका	2	2	15	35	50	2
Internship of 4 Credits of 4-6 weeks duration after 2nd Semester									
III	CC-3/ MCC-4	B23-SKT-301	ऐतिहासिकमहाकाव्यम् एवं व्याकरणम्	4	4	30	70	100	3
	MCC-5	B23-SKT-302	स्वप्नवासवदत्तम्	4	4	30	70	100	3

	MDC-3	B23-SKT-303	यज्ञप्रक्रियायाः वैज्ञानिकाधारः एवं वर्णोच्चारणम्	3	3	25	50	75	3
IV	CC-4 / MCC-6	B23-SKT-401	महाकाव्यम् उपन्यासः एवं शब्दप्रक्रिया	4	4	30	70	100	3
	MCC-7	B23-SKT-402	आधुनिक–संस्कृतसाहित्यम्	4	4	30	70	100	3
	MCC-8	B23-SKT-403	काव्यशास्त्रम्	4	4	30	70	100	3
	DSE-1	B23-SKT-404	काव्यदीपिका वृत्तरत्नाकरः च	4	4	30	70	100	3
		OR							
		B23-SKT-405	संस्कृतसाहित्ये राष्ट्रवादः	4	4	30	70	100	3
Internship of 4 Credits of 4-6 weeks duration after 4th Semester									
V	CC-5/ MCC-9	B23-SKT-501	वैदिकसाहित्यपरिचयः, नाटकम् एवं व्याकरणम्	4	4	30	70	100	3
	MCC-10	B23-SKT-502	लघुसिद्धांतकौमुदी प्रक्रिया च	4	4	30	70	100	3
	DSE-2	B23-SKT-503	दशकुमारचरितं शिवराजविजयं च	4	4	30	70	100	3
		OR							
		B23-SKT-504	धर्म, संस्कृतिः दर्शनं च	4	4	30	70	100	3
	DSE-3	B23-SKT-505	भारतीयपरिप्रेक्ष्ये व्यक्तित्वविकासः	4	4	30	70	100	3
		OR							
		B23-SKT-506	संस्कृतमहाकाव्यकाराः गद्यकाराः नाट्यकाराः च	4	4	30	70	100	3

VI	CC-6/ MCC-11	B23-SKT-601	नाटकं, लौकिकसाहित्यम् एवं व्याकरणम्	4	4	30	70	100	3
	MCC-12	B23-SKT-602	उपनिषद्–गीतानुसारं जीवनदर्शनम्	4	4	30	70	100	3
	DSE-4	B23-SKT-603	संस्कृतसाहित्ये नीतिः आचारः च	4	4	30	70	100	3
			OR						
		B23-SKT-604	संहिता, व्याकरणम् एवं दर्शनम्	4	4	30	70	100	3
	DSE-5	B23-SKT-605	आयुर्वेद एवं वास्तुशास्त्रम्	4	4	30	70	100	3
			OR						
		B23-SKT-606	सन्तुलितजीवन–पद्धतिः	4	4	30	70	100	3

Scheme of Courses in **Sanskrit** for **UG Honours** Programme

Semester	Core courses Sanskrit	Paper	Nomenclature	credits	Contact hours	Internal Assessment Marks	External Marks	Total	Duration of Exam (Hrs.)
VII	CC-H1	B23-SKT-701	वेद : विशिष्ट–अध्ययनम् 1	4	4	30	70	100	3
	CC-H2	B23-SKT-702	साहित्यम् : विशिष्ट–अध्ययनम् 1	4	4	30	70	100	3
	CC-H3	B23-SKT-703	भारतीयदर्शनम् : विशिष्ट–अध्ययनम् 1	4	4	30	70	100	3
	DSE-H1	B23-SKT-704	व्याकरणम् एवं भाषाविज्ञानम्	4	4	30	70	100	3
		OR							
		B23-SKT-705	धर्मशास्त्रम्	4	4	30	70	100	3
	PC-H1	B23-SKT-706	व्याकरणप्रक्रिया	4	4	30	70	100	3
VIII	CC-H4	B23-SKT-801	वेद : विशिष्ट–अध्ययनम् 2	4	4	30	70	100	3
	CC-H5	B23-SKT-802	साहित्यम् : विशिष्ट–अध्ययनम् 2	4	4	30	70	100	3

	CC-H6	B23-SKT-803	भारतीयदर्शनम् : विशिष्ट–अध्ययनम् 2	4	4	30	70	100	3
	DSE-H2	B23-SKT-804	तन्त्रागमः	4	4	30	70	100	3
		OR							
		B23-SKT-805	वास्तुशास्त्रम्	4	4	30	70	100	3
	PC-H2	B23-SKT-806	शोधप्रविधिः	4	4	30	70	100	3

Scheme of Courses in **Sanskrit** for **UG Honours with Research Programme**

Semester	Core courses Sanskrit	Paper	Nomenclature	credits	Contact hours	Internal Assessment Marks	External Marks	Total	Duration of Exam (Hrs.)
VII	CC-H1	B23-SKT-701	वेद : विशिष्ट–अध्ययनम् 1	4	4	30	70	100	3
	CC-H2	B23-SKT-702	साहित्यम् : विशिष्ट–अध्ययनम् 1	4	4	30	70	100	3
	CC-H3	B23-SKT-703	भारतीयदर्शनम् : विशिष्ट–अध्ययनम् 1	4	4	30	70	100	3
	DSE-H1	B23-SKT-704	व्याकरणम् एवं भाषाविज्ञानम्	4	4	30	70	100	3
		OR							
		B23-SKT-705	धर्मशास्त्रम्	4	4	30	70	100	3
	PC-H1	B23-SKT-706	व्याकरणप्रक्रिया	4	4	30	70	100	3
VIII	CC-H4	B23-SKT-801	वेद : विशिष्ट–अध्ययनम् 2	4	4	30	70	100	3
	CC-H5	B23-SKT-802	साहित्यम् : विशिष्ट–अध्ययनम् 2	4	4	30	70	100	3
	Project/ Dissertation B-23-SKT-807		**Research**		**12**			**300**	

(Value Added Courses)									
I	VAC-307	B23-VAC-307	पंचकोश : सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास	2	2	15	35	50	2
II	VAC-312	B23-VAC-312	प्रारंभिक संस्कृत भाषा ज्ञान	2	2	15	35	50	2
III	VAC-313	B23-VAC-313	संस्कृत साहित्य में नाट्य एवं रंगमंच	2	2	15	35	50	2
IV	VAC-315	B23-VAC-315	भारतीय ज्ञान परम्परा एवं पद्धति	2	2	15	35	50	2

(Ability Enhancement Course)									
Semester I	AEC -1	B23-AEC-131	संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण-1	2	2	15	35	50	2
Semester II	AEC -2	B23-AEC-132	संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण-2	2	2	15	35	50	2
Semester III	AEC -3	B23-AEC-133	संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण-3	2	2	15	35	50	2
Semester IV	AEC -4	B23-AEC-134	संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण-4	2	2	15	35	50	2

Session: 2023-24	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	1st
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	B23-SKT-104, प्रयोगात्मक–संस्कृतम्
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	CC-M1
Level of the course (As per Annexure-I	0-99
Pre-requisite for the course (if any)	--
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO. 104. 1 : संस्कृत सम्भाषण के माध्यम से छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान एवं संस्कृत भाषा के माध्यम से स्भाषण प्रक्रिया के द्वारा प्रयोगात्मक संस्कृत की शिक्षा छात्रों को दी जाती है। CLO. 104. 2 : संस्कृत भाषा को सरल एवं सुबोध रूप से जानने के लिए भाषा का अनुवाद महत्त्वपूर्ण है। अनुवाद के माध्यम से छात्र भाषा का लेखन एवं उच्चारण समझ सकते हैं। भाषा शिक्षण के तीन माध्यम है बोलना, सुनना और लिखना। यही बोध छात्रों को दिया जाता है। CLO. 104. 3 : इस घटक के माध्यम से छात्रों को फल और सब्जियों के संस्कृत नामों से परिचित कराया जायेगा ।

	CLO.104. 4: कारक भाषा को जानने एवं प्रयोग की एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। कारकों के माध्यम से क्रिया की जो प्रक्रिया है वो पूर्ण होती है। कारकों का प्रयोग कैसे किया जाता है। यही बोध छात्रों को दिया जाता है।		
Credits 2	Theory + Tutorial	Practical	Total
	2	------------------	2
Contact Hours	30	----------------	30
Max. Marks: 50 **Internal Assessment Marks: 15** **End Term Exam Marks: 35**		**Time: 2 Hrs.**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper- Setter

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम **35** अङ्कों का होगा। **15** अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **7** अङ्कों का होगा। **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित सात (7) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न एक (1) अङ्क का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।
3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय दो (2) घण्टे होगा।

Unit	Topics	Contact Hours
I	संस्कृत सम्भाषण –7 अंक	7
II	अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत) –7 अंक	8
III	(क) फलशाकादिनामानि –7 अंक (ख) श्रीमद्भगवद्गीता के दो श्लोकों का कण्ठस्थीकरण	7
IV	कारकविभक्ति –7 अंक	8

<table>
<tr><td colspan="2">Suggested Evaluation Methods</td></tr>
<tr><td>Internal Assessment: 15 Marks
➢ Theory
• Class Participation: 4 Marks
• Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 4 Marks
• Mid-Term Exam: 7 Marks</td><td>End Term Examination:
35 Marks</td></tr>
<tr><td colspan="2">Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1 बृहदानुवादचन्द्रिका, चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2 प्रारम्भिकरचनानुवादकौमदी- डा॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी</td></tr>
</table>

Session: 2023-24	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	1st
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	B23-SKT-103, संस्कृत–सम्भाषणम्
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	MDC-1
Level of the course (As per Annexure-I	0-99
Pre-requisite for the course (if any)	--
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO. 103. 1 : हितोपदेश के इस कथांश में जीवन में समृद्धि एवं विषमता के विरोधी समय में आत्मोन्नति का सन्देश प्राप्त होता है। आठ प्रकार के धर्म, समाज में व्यवहार की रीति, दान, उत्तम चरित एवं जीवन के दोषों का स्पष्ट एवं व्यावहारिक वर्णन है। CLO. 103. 2 : श्रीमद्भगवद्गीता के इस अंश में योग का महत्त्व एवं कर्मफल त्यागपूर्वक कर्म की श्रेष्ठता का प्रतिपादन किया गया है। स्थित प्रज्ञ का स्वरूप, क्रोधादि दोषों का त्याग एवं इन्द्रिय संयम के महत्त्व को विस्तार से व्यक्त किया गया है। CLO. 103. 3 : इस घटक के माध्यम से विद्यार्थी राज्य एवं राष्टीय संस्थानों में प्रयुक्त आदर्श वाक्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगें ।

	CLO. 103. 4 : इस घटक के माध्यम से विद्यार्थी प्रतिदिन दैनिक व्यवहार में प्रयुक्त होने वाले शब्दों का ज्ञान प्राप्त करेंगें ।		
Credits 3	Theory + Tutorial	Practical	Total
	2+1	-------------------	3
Contact Hours	45	-------------------	45
Max. Marks: 75 Internal Assessment Marks: 25 End Term Exam Marks: 50		Time: 3 Hrs.	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper- Setter

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 50 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न दस (10) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत, लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढे दो (2.5) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	हितोपदेश (मित्रलाभः) (श्लोक 1-35) 10 अंक 'अथ प्रासादपृष्ठे'..........से लेकर 'आलस्यं दीर्घसूत्रता...तक दो श्लोकों का सरलार्थ (2X5 =10 अंक)	11
II	श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय 2/46-72) 10 अंक दो श्लोकों का सरलार्थ (2X5 =10 अंक)	11
III	संस्कृत आदर्श वाक्य 10 अंक (राज्य एवं राष्ट्रीय संस्थानों के आदर्श वाक्य) (1X10 =10 अंक)	11

IV	अनुवाद वाक्य (शिष्टाचारः , परिचयः, छात्रा , परीक्षा, आरोग्यम् , वातावरणम् , भोजनम् , समयः , सुताः , अतिथिः, संकीर्ण, वाक्यानि, शुभाशयाः) इनसे सम्बन्धित संस्कृत अनुवाद (1X10 =10 अंक)	10 अंक	12

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 25 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 7 Marks • Mid-Term Exam: 13 Marks	**End Term Examination:** 50 Marks

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1 हितोपदेश, व्याख्याकार श्री नारायण राम आचार्य काव्यतीर्थ, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
2 श्रीमद्भगवदगीता, शांकर भाष्य, गीता प्रेस, गोरखपुर
3 संस्कृतव्यवहार शाहस्री, संस्कृत भारती दिल्ली

Session: 2023-24	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	I
Name of the Course	Ability Enhancement Course
Course Code	B23-AEC-131, संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण-I
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	AEC–1
Level of the course (As per Annexure-I	
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO : 105.1 – इस घटक के द्वारा प्रत्याहार सूत्रों एवं वर्णों के उच्चारण स्थान का ज्ञान कराया जाएगा। CLO : 105.2 – इस घटक के द्वारा संस्कृत भाषा में प्रयुक्त पुल्लिंग, स्त्रीलिंग, नपुंसकलिंग तथा सर्वनाम शब्दरूपों का अवबोध कराया जाएगा । CLO : 105.3 – इस घटक के द्वारा वर्तमान, भूत, भविष्यत् काल में प्रयुक्त होने वाले लट्, लङ् और लृट् लकारों की मुख्य क्रियाओं का ज्ञान कराया जाएगा। CLO : 105.4 – संस्कृत टिप्पणी लेखन द्वारा संस्कृत लेखन कौशल का विकास करना इस घटक का उद्देश्य है।

Credits – 2	Theory	Practical	Total
	2	--	2
Contact Hours	30	--	30
Max. Marks: 50 **Internal Assessment Marks:** 15 **End Term Exam Marks:** 35		**Time: 3 Hrs.**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 35 अंक निर्धारित है। सभी प्रश्न समान अंकों (7) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए। ये प्रश्न वैकल्पिक होंगे ।

Unit	Topics	Contact Hours
I	प्रत्याहार सूत्र एवं वर्णों का उच्चारण स्थान 7 अंक (क) निर्देशानुसार किन्हीं 4 में से दो प्रत्याहारों का निर्माण 3 अंक (ख) पाँच में से किन्हीं तीन वर्णों का उच्चारण स्थान 3 अंक	7
II	शब्द रूप 7 अंक राम, बालक, लता, मति, गुरु, ज्ञान, अस्मद्, युष्मद्, तत्, किम्, इदम् (किन्हीं दो रूपों का लेखन) 2x3½=7	8
III	क्रियारूप एवं वाक्यपूर्ति 7 अंक भू, पठ्, लिख्, चल्, गम्, हस्, वद्, पा, अस् दृश्, पच् (केवल लट्, लृट् एवं लङ् लकार) उपर्युक्त धातुरूपों के आधार पर 10 में से 7 वाक्यपूर्ति 1x7=7 अंक	8

<table>
<tr><td>IV</td><td>पञ्च वाक्यात्मक संक्षिप्त टिप्पणी 7 अंक
विद्या, सत्यम्, परोपकारः, आदर्शगुरुः 3½X2=7
छात्राणां कर्तव्यम् ।</td><td>7</td></tr>
<tr><td colspan="3">Suggested Evaluation Methods</td></tr>
<tr><td colspan="2">Internal Assessment: 15 Marks
> Theory
• Class Participation: 4
• Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 4
• Mid-Term Exam: 7</td><td>End Term Examination:

35 Marks</td></tr>
<tr><td colspan="3">Part C-Learning Resources</td></tr>
<tr><td colspan="3">Recommended Books/e-resources/LMS:
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी वरदराजाचार्यकृत, व्याख्याकार भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
3. द्विवेदी, कपिलदेव : प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, उत्तरप्रदेश</td></tr>
</table>

Kurukshetra University Kurukshetra
Scheme of Courses in Sanskrit for U.G Programme Subject Sanskrit
as per NEP 2020 (Multiple Entry-Exit, Internships and Choice Based Credit System)

Session: 2023-24	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	1st
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	B23-SKT-101, नीतिसाहित्यं व्याकरणं च
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	CC-1/ MCC-1
Level of the course (As per Annexure-I	100-199
Pre-requisite for the course (if any)	Senior Secondary (10+2) or Visharad or Equivalent in any Stream
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO-101-1 संस्कृत भाषा में ज्ञान की सरल मनोवैज्ञानिक विधियों के द्वारा छात्रों को बोध कराने के लिए अनेक ग्रंथ कहानी के रूप में लिखे गए जैसे पंचतंत्र, हितोपदेश आदि । इस घटक में हितोपदेश के मित्रलाभ प्रकरण से छात्रों को संस्कृत भाषा में प्रवेश करवाया जाता है। CLO-101-2 नीतिशतक भारतीय नीतिशास्त्र तथा सुभाषित के रूप में जाना जाता है। भर्तृहरि द्वारा रचित नीति-शतक के प्रथम 50 श्लोकों के माध्यम से छात्रों को न्याय एवं नीति से समाज बोध की शिक्षा देने का प्रयास किया गया है । CLO-101-3 संस्कृत भाषा में प्रवेश के लिए छात्रों को व्याकरण के प्रथम सोपान धातुरूप तथा शब्दरूपों का ज्ञान होना आवश्यक है। इस घटक में छात्रों को सरल धातु-रूपों से परिचय करवाया जाता है ताकि वे संस्कृत भाषा समझने में तत्पर हो सके ।

	CLO-101-4 भाषा में संधियों का प्रयोग परम आवश्यक है। इस घटक में छात्रों को संस्कृत भाषा की संधियों का बोध करवाया जाता है ताकि वे भाषा को आसानी से समझ सके क्योंकि संधि में पदों को अलग-अलग करके अर्थ को आसानी से जाना जा सकता है।		
Credits 4	Theory + Tutorial	Practical	Total
	3+1	-------------------	4
Contact Hours	60	-------------------	60
Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**		**Time: 3 Hrs.**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper- Setter

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 70 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न चौदह (14) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढे तीन (3.5) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	हितोपदेश 14 अंक **मित्रलाभ** (मित्रलाभ-प्रस्तावः से लेकर कथा 2 अर्थात् वृद्धव्याघ्रपथिक के 55वें श्लोक "भक्ष्यभक्षकयोःप्रीतिः.........." तक। (क) दो पाठ्यांशों की व्याख्या। (2×5=10 अंक) (ख) सार। (4 अंक)	15
II	नीतिशतक* : श्लोक-संख्या 1 से 50 तक। 14 अंक (क) दो श्लोकों का सरलार्थ।. (2×5 =10 अंक) (ख) एक सूक्ति की व्याख्या। (4 अंक)	15

<table>
<tr><td>III</td><td>संस्कृत–व्याकरण : 14 अंक
(क) शब्द–रूप : राम, कवि, भानु, पितृ, लता, अस्मद्,विद्वस्,राजन्, तद् (तीनों लिङ्गों में), एक (तीनों लिङ्गों में)। (7 अंक)
(ख) धातु–रूप : भू, हस्, नम्, गम्, अस्, हन्, कृ, नी, याच्, दृश्,वच् (केवल लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्, लृट् लकारों में) (7 अंक)</td><td>15</td></tr>
<tr><td>IV</td><td>(क) सन्धि : अच्सन्धि, हल्सन्धि एवं विसर्गसन्धि। 7 अंक
(ख) कण्ठस्थ दो श्लोकों का शुद्ध लेखन।
(प्रश्नपत्र में पूछे गए श्लोकों से भिन्न) 7 अंक</td><td>15</td></tr>
<tr><td colspan="3">Suggested Evaluation Methods</td></tr>
<tr><td colspan="2">Internal Assessment: 30 Marks
➢ Theory
• Class Participation: 5 Marks
• Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 Marks
• Mid-Term Exam: 15 Marks</td><td>End Term Examination:
70 Marks</td></tr>
<tr><td colspan="3">Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1 भर्तृहरिकृतनीतिशतकम् – टीकाकार डॉ गंगासागरराय, चौखम्बा, वाराणसी–2003
2 हितोपदेश – नारायण पण्डित, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
3 रचनानुवाद कौमुदी – कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी</td></tr>
</table>

Session: 2023-24			
Part A - Introduction			
Subject	Sanskrit		
Semester	II		
Name of the Course	Ability Enhancement Course		
Course Code	B23-AEC-132, संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण-2		
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	AEC–2		
Level of the course (As per Annexure-I			
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO : 205.1 – कारक एवं विभक्ति संस्कृत भाषा के आधारभूत तत्त्व है, जिनका प्रारम्भिक ज्ञान इस घटक के माध्यम से कराया जाएगा। CLO : 205.2 – इस घटक के द्वारा ईशोपनिषद् के प्रारम्भिक 10 मन्त्रों का अवबोध कराया जाएगा। CLO : 205.3 – संस्कृत मन्त्रों एवं श्लोकों का सरलार्थ करना एवं लेखन करना सिखाना इस घटक का उद्देश्य है। CLO : 205.4 – इस घटक के माध्यम से सरल संस्कृत वाक्यों द्वारा स्वपरिचय देने में छात्रों को समर्थ बनाया जाएगा।		
Credits – 2	Theory	Practical	Total
	2	--	2
Contact Hours	30	--	30

Max. Marks:	50	Time: 3 Hrs.
Internal Assessment Marks:	15	
End Term Exam Marks:	35	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 35 अंक निर्धारित है। सभी प्रश्न समान अंकों (7) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए। ये प्रश्न वैकल्पिक होंगे ।

Unit	Topics	Contact Hours
I	कारक एवं विभक्ति 7 अंक कर्त्ता, कर्म, करण, सम्प्रदान, अपादान, अधिकरण किन्हीं दो कारकों की सोदाहरण व्याख्या 3½x2=7 अंक	8
II	ईशोपनिषद् (1-10 मन्त्र) 7 अंक तीन में से किन्हीं दो मन्त्रों की व्याख्या 3½X2=7 अंक	8
III	संस्कृत श्लोक एवं मन्त्र 7 अंक मन्त्र- गायत्री मन्त्र महामृत्युञ्जय मन्त्र शान्तिमन्त्र (द्यौः शान्तिः) संगच्छध्वम्... सर्वे भवन्तु सुखिनः... गीता के श्लोक- युक्ताहार... उद्धेदात्मना. कर्मण्येवा... यत्र योगेश्वर... गीता सुगीता... किन्हीं 2 मन्त्रों का सरलार्थ 2x2½=5 अंक 1 श्लोक का लेखन 1x2=2 अंक	7

IV	संस्कृत भाषा में स्वयं का परिचय लेखन (दस वाक्यात्मक) 7 अंक	14

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 15 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 4 • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 4 • Mid-Term Exam: 7	**End Term Examination:** **35 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी वरदराजाचार्यकृत, व्याख्याकार- भीमसेन शास्त्री भैमी प्रकाशन, दिल्ली ।

2. ईशोपनिषद्, (शांकरभाष्य), गीताप्रेस गोरखपुर

Session: 2023-24	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	2nd
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	B23-SKT-204, संस्कृत चयनिका
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	CC-M2
Level of the course (As per Annexure-I	0-99
Pre-requisite for the course (if any)	---
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO. 203. I : संस्कृत चयनिका के अन्तर्गत विभिन्न ग्रन्थों से पाठ ग्रहण कर छात्रों को उपनिषद्, रामायण, नीति एवं आचार से सम्बन्धित विषयों का बोध करवाया जाता है। CLO. 203. 2 : संस्कृत चयनिका के गद्यभाग के रूप में उपनिषद्, नीतिसाहित्य एवं रामायण के कुछ भागों को संकलित कर छात्रों को विद्यार्थी जीवन से सम्बन्धित अनेक विषयों का ज्ञान करवाया जाता है। CLO. 203. 3 : इस घटक में संस्कृत शब्दरूपों और धातुरूपों का बोध करवाया जाता है। CLO. 203. 4 : इस घटक में स्वर सन्धि और श्लोकों का शुद्ध लेखन सिखाया जाता है।

Credits 2	Theory + Tutorial	Practical	Total
	2	------------------	2
Contact Hours	30	------------------	30
Max. Marks: 50 **Internal Assessment Marks: 15** **End Term Exam Marks:** 35		**Time: 2 Hrs.**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper- Setter

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम **35** अङ्कों का होगा। **15** अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **7** अङ्कों का होगा। **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित सात (7) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न एक (1) अङ्क का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।
3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय दा (2) घण्टे होगा।

Unit	**Topics**	**Contact Hours**
I	संस्कृत–चयनिका (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन): 7अङ पद्यभाग : 1–6 पाठ	7
II	संस्कृत–चयनिका : गद्यभाग : 1–9 पाठ। 7अङ	8
III	संस्कृत–व्याकरण : 7अङ (क) शब्द–रूप : बालक, कवि, साधु, पितृ, मातृ, फल, विद्वस्, शशिन्। (ख) धातु–रूप : भू, वद्, स्था, लभ्, दा (यच्छ्), प्रच्छ्। (केवल लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्, लृट् लकारों में)	7
IV	(क) स्वरसन्धि। (ख) श्रीमद्भगवद्गीता से कण्ठस्थ **चार** श्लोकों का शुद्ध लेखन (प्रश्नपत्र में पूछे गए श्लोकों स भिन्न)। 7अङ	8

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 15 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 4 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 4 Marks • Mid-Term Exam: 7 Marks	**End Term Examination:** 35 Marks
Part C-Learning Resources **Recommended Books/e-resources/LMS:** 1 बृहदानुवादचन्द्रिका, चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 2 प्रारम्भिकरचनानुवादकौमदी– डा॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी	

Session: 2023-24	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	2nd
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	B23-SKT-203, योगासनम् एवं ध्यानम्
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	MDC-2
Level of the course (As per Annexure-I	0-99
Pre-requisite for the course (if any)	--
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO. 204. I : वर्तमान जीवन में योगासन के महत्त्व को देखते हुए इस घटक में सर्वजन के लिये योगासन की उपयोगिता बताई गई है। स्वस्थ जीवन के लिये योगासन महत्त्वपूर्ण है। CLO. 204. 2 : योग के आठ अंगों के अन्तर्गत प्राणायाम एवं धारणा को बोध इस घटक के अन्तर्गत कराया जायेगा । CLO. 204. 3 : इस घटक के अन्तर्गत शरीर के विभिन्न स्थानों पर निर्दिष्ट चक्रों का परिचय एवं ध्यान की विधि तथा स्वरूप से छात्रों को अवगत कराया जायेगा । CLO. 204. 4 : मानव के व्यक्तित्व विकास में पंचकोशों का विशेष महत्त्व है । इस घटक के अन्तर्गत पंचकोशों के स्वरूप एवं उनके विकास की प्रक्रिया से अवगत कराया जायेगा ।

Credits 3	Theory + Tutorial	Practical	Total
	2+1	------------------	3
Contact Hours	45	------------------	45
Max. Marks: 75 **Internal Assessment Marks: 25** **End Term Exam Marks:** 50		**Time: 3 Hrs.**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper- Setter

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 50 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न दस (10) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढे दो (2.5) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	योगासन : पद्मासन, ताड़ासन, धनुरासन, गोमुखासन, कूर्मासन, मत्स्येन्द्रासन, मयूरासन, शवासन योगासनों का महत्त्व 7 अंक	11
II	प्राणायाम एवं धारणा 7 अंक	11
III	चक्र एवं ध्यान 7 अंक	11
IV	पंचकोश 7 अंक	12

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment	End Term Examination
Internal Assessment: 25 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 7 Marks • Mid-Term Exam: 13 Marks	**End Term Examination:** 50 Marks

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1 हठयोगप्रदीपिका, व्याख्याकार अजय कुमार उत्तम, भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी
2 जाबालदर्शनोपनिषद्, संपादक श्रीराम शर्मा, युगनिर्माण योजना प्रैस, मथुरा
3 तैत्तिरीयोपनिषद, (द्वितीय वल्ली) शांकरभाष्य गीताप्रेस, गोरखपुर
4 योगासन और योगसाधना, डा० सत्यपाल, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

Credits 3	Theory + Tutorial	Practical	Total
	2+1	------------------	3
Contact Hours	45	------------------	45

Max. Marks: 75
Internal Assessment Marks: 25
End Term Exam Marks: 50

Time: 3 Hrs.

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper- Setter

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 50 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न दस (10) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढे दो (2.5) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	योगासन : पद्मासन, ताड़ासन, धनुरासन, गोमुखासन, कूर्मासन, मत्स्येन्द्रासन, मयूरासन, शवासन योगासनों का महत्त्व 7 अंक	11
II	प्राणायाम एवं धारणा 7 अंक	11
III	चक्र एवं ध्यान 7 अंक	11
IV	पंचकोश 7 अंक	12

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 25 Marks

➢ **Theory**
- Class Participation: 5 Marks
- Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 7 Marks
- Mid-Term Exam: 13 Marks

End Term Examination: 50 Marks

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1 हठयोगप्रदीपिका, व्याख्याकार अजय कुमार उत्तम, भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी
2 जाबालदर्शनोपनिषद, संपादक श्रीराम शर्मा, युगनिर्माण योजना प्रैस, मथुरा
3 तैत्तिरीयोपनिषद, (द्वितीय वल्ली) शांकरभाष्य गीताप्रेस, गोरखपुर
4 योगासन और योगसाधना, डा० सत्यपाल, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

Session: 2023-24	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	2nd
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	B23-SKT-201, श्रीमद्भगवद्गीता, स्वस्थवृत्तं छन्दशास्त्रं च
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	CC-2/ MCC-3
Level of the course (As per Annexure-I	100-199
Pre-requisite for the course (if any)	--
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO-201-1 गीता भारतीय संस्कृति तथा ज्ञान का उत्कर्ष है। गीता को कर्म तथा ज्ञान के सम्यक् बोध के रूप में जाना जाता है । गीता के द्वितीय अध्याय को 'सांख्य-योग' के नाम से जाना जाता है। इस अध्याय में जीवन के मर्म को जानकर कर्म करने की प्रेरणा दी गई है। यह सभी मनुष्यों को जानना चाहिए । CLO-201-2 द्वितीय घटक में नीतिशतक के 51-100 श्लोकों को शामिल किया गया है । न्याय एवं नीति बोध जीवन को सरल बना देता है। भर्तृहरि ने मनुष्यों को शिक्षा देने का प्रयास किया है कि हमारा सामाजिक व्यवहार कैसे हो । यह सभी छात्रों को जानना चाहिए । CLO-201-3 संस्कृत धातु रूपों के ज्ञान के अभाव में भाषा को नहीं समझा जा सकता । धातु प्रत्ययों का बोध इस घटक में दिया गया है। संस्कृत में धातुओं की संख्या दो हजार के आसपास है। अत: इनका बोध भाषा को सरल रूप में समझने में सहायक है।

	CLO-201-4 संस्कृत भाषा में साहित्य को लिखने की तीन विधियां है, पद्य, गद्य तथा दोनों का मिला हुआ स्वरूप । पद्यों में रचना के लिए छन्दों का ज्ञान आवश्यक है । कविता छंद के बिना नहीं हो सकती। अतः छात्रों को आरम्भि छंदो का ज्ञान इस घटक में दिया जाता है । छात्रों की रुचि कविता में हो ऐसा छंदों के ज्ञान से संभव है ।

Credits 4	Theory + Tutorial	Practical	Total
	3+1	------------------	4
Contact Hours	60	------------------	60
Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**		**Time: 3 Hrs.**	

Part B- Contents of the Course

<u>Instructions for Paper- Setter</u>

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 70 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न चौदह (14) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढे तीन (3.5) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	श्रीमद्भगवद्गीता, द्वितीय अध्याय– 14 अंक (क) दो श्लोकों का सरलार्थ। (2×5=10 अंक) (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न। (4 अंक)	15
II	चरकसंहिता स्वस्थवृत्तम् सूत्रस्थान 5/71–104, 7/26–35 8/17–29 14 अंक (क) दो पंक्तियों की व्याख्या- (2×5=10 अंक) (ख) एक निबन्धात्मक प्रश्न (4 अंक)	15

III	संस्कृत–व्याकरण : 14 अंक (क) शब्द–रूप : मति, नदी, धेनु, मातृ, फल, युष्मद्, सर्व, एतद्, द्वि, त्रि। ('सर्व' से लेकर 'त्रि' तक तीनों लिङ्गों में)। (07 अंक) (ख) धातु–रूप : पठ्, नश्, नृत्, प्रच्छ्, रुच्, हृ, भज्, पच्, लभ् सेव्। (केवल लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्, लृट् लकारों में) (07 अंक)	15
IV	(क) छन्दः –अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वंशस्थ, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, वसन्ततिलका, शार्दूलविक्रीडित। 07 अंक (ख) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद। 07अंक	15

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks	End Term Examination: 70 Marks
➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 Marks • Mid-Term Exam: 15 Marks	

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1 श्रीमद्भगवद्गीता , गीताप्रेस गोरखपुर
2 चरक संहिता, व्याख्याकार : आचार्य विद्याधर शुक्ल, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
3 रचनानुवादकौमुदी – कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी ।

Session: 2023-24	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	3rd
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	B23-SKT-301, ऐतिहासिक–महाकाव्यम् एवं व्याकरणम्
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	CC-4 MCC-4
Level of the course (As per Annexure-I	200-299
Pre-requisite for the course (if any)	--
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO. 301. 1 : महाभारत विश्व प्रसिद्ध महाकाव्य है। इसे पञ्चम वेद की संज्ञा दी गई है। महाभारत के वनपर्व में यक्षयुधिष्ठिर संवाद के माध्यम से धर्म-अधर्म, नीति-अनीति इत्यादि का प्रश्नोत्तर के माध्यम से छात्रों को न्याय, नीति सम्बन्धी शिक्षा दी जाती है। CLO. 301. 2 : रामायण लौकिक साहित्य का महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ है। रामायण भारतीय परम्पराका जीवन्त ग्रन्थ है। इस घटक में राम के गुण, कार्य और उसके राष्ट्रप्रेम से छात्रों को अवगत करवाया जाता है। व्याकरण के बिना भाषा अधूरी है। संस्कृत व्याकरण का आदि ग्रंथ अष्टाध्यायी है जो वैज्ञानिक आधार रखता है। CLO. 301. 3 : प्रस्तुत घटक में समासों के माध्यम से छात्रों को भाषा का संक्षेपीकरण एवं सरल बोध करवाया जाता है।

	CLO. 301. 4 : व्याकरण के आरम्भ में महेश्वर सूत्र है जो संस्कृत भाषा की वैज्ञानिक वर्णमाला कहलाती है। इसमें सभी वर्णों का समावेश भाषा वैज्ञानिक आाार पर किया गया है। इससे छात्रों को वर्णमाला एवं उच्चारण बोध में महत्त्वपूर्ण सहायता मिलती है। पत्र लेखन के माध्यम से छात्र संस्कृत भाषा में पत्र व्यवहार सीखाते हैं।		
Credits 4	Theory + Tutorial	Practical	Total
	3+1	------------------	4
Contact Hours	60	------------------	60
Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**		**Time: 3 Hrs.**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper- Setter

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल_70 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न चौदह_(14) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन_(3) घण्टे होगा।_
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मंक प्रश्न साढे तीन (3.5) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	महाभारतः यक्षयुधिष्ठिर संवाद -(यथावत्) 14अङ्काः (क) सप्रसंग व्याख्या -(7 अङ्क) (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न- (7 अङ्क)	15
II	रामायणः अयोध्या काण्ड, शततमः सर्गः (कच्चिद् सर्गः) 14अङ्काः (क) दो श्लोकों का सरलार्थ - (7अङ्क) (ख) विषयवस्तु सम्बनिधत प्रश्न- (7अङ्क)	15

III	संस्कृत व्याकरण : 14अङ्काः (क) समास- अव्ययीभाव, तत्पुरुष, द्वन्द्व तथा बहुव्रीहि। (7अङ्क) (ख) कृत् प्रत्यय- क्त्वा, तुमुन्, ण्यत्, यत्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, तव्य, अनीयर्। (7अङ्क)_	15
IV	वरदराज,लघुसिद्धान्तकौमुदी 14अङ्कः (क) प्रत्याहारसूत्र (माहेश्वरसूत्र) 7अङ्क (ख) संख्यावाची संस्कृत शब्द (1 100)7अङ्क	15

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 Marks • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination:** 70 Marks

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. रामायण, गीता प्रेस, गोरखपुर
2. महाभारत पुणे संस्करण (भण्डारकर ओरियेन्टल रिसर्च इन्सटीट्यूट), लघुसिद्धांत कौमुदी MLBD, Delhi
3. प्रौढरचनानुवाद कौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी

Session: 2023-24	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	3rd
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	B23-SKT-303, यज्ञ–प्रक्रियायाः वैज्ञानिकाधारः एवं वर्णोच्चारणम्
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	MDC-3
Level of the course (As per Annexure-I	0-99
Pre-requisite for the course (if any)	--
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO. 303. I : 'यज्ञ' शब्द का व्युत्पत्तिजन्य अर्थ बताकर, यज्ञ के लाभ एवं उपयोगिता बताई जाएगी। CLO. 303. 2 : यज्ञ साम्रगी के वैज्ञानिक गुण बताकर प्राकृतिक लाभ बताए जाएगें। यज्ञ को पर्यावरण प्रदूषण से मुक्ति का द्वार बताया गया है । CLO. 303. 3 : ईश्वरस्तुति प्रार्थनोपासना मन्त्रों के द्वारा आदर्श भारतीय जीवन पद्धति का वर्णन किया गया है । वैदिक ज्ञान के सान्निध्य से ही वास्तविक सुख एवं आनन्द की प्राप्ति संभव है । CLO. 303. 4 : वर्णोच्चारण शिक्षा के माध्यम से छात्रों को उच्चारण स्थान एवं प्रयत्न से अवगत कराया जाएगा ।

Credits 3	Theory + Tutorial	Practical	Total
	2+1	------------------	3
Contact Hours	45	------------------	45
Max. Marks: 75 **Internal Assessment Marks: 25** **End Term Exam Marks: 50**		**Time: 3 Hrs.**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper- Setter

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल_50 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न दस (10) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन_(3) घण्टे होगा।_
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढे दो (2.5) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमश: प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	यज्ञ की व्युत्पत्ति, अर्थ, परिभाषा । यज्ञ के लाभ, यज्ञ-कुण्ड, यज्ञशाला, यज्ञपात्र एवं उपयोगिता । 10अङ्का:	11
II	यज्ञ सामग्री के वैज्ञानिक गुण तथा पर्यावरण प्रभाव। 10अङ्का:	11
III	वैदिक मन्त्रोचारण विधि-ईश्वरस्तुतिप्रार्थनोपासना मन्त्र। पर्यावरण शुद्धि, वायु गुणवत्ता में वृद्धि एवं नैरोग्य । 10अङ्का:	11
IV	वर्णोचारण-शिक्षा-उच्चारण स्थान एवं प्रयत्न का व्यवहारिक ज्ञान। 10अङ्का:	12

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 25 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 7 Marks • Mid-Term Exam: 13 Marks	**End Term Examination:** 50 Marks

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1 यज्ञ विमर्श - एक वैज्ञानिक अध्ययन, डॉ० रामप्रकाश, सत्यार्थ प्रकाशन न्यास कुरुक्षेत्र

2 वर्णोच्चारणशिक्षा - श्रीमद्दयानन्द व्याख्या सहिता, वैदिक यन्त्रालय अजमेर

Session: 2023-24			
Part A – Introduction			
Subject	Sanskrit		
Semester	III		
Name of the Course	Ability Enhancement Course		
Course Code	B23-AEC-133, संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण-3		
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	AEC–3		
Level of the course (As per Annexure-I			
Pre-requisite for the course (if any)			
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO : 305.1 – संस्कृतभाषा में निबद्ध वाक्यों के सम्यक् ज्ञान के लिए सन्धि का ज्ञान आवश्यक है। इस घटक में प्रमुख संधियों का अवबोध कराया जाएगा । CLO : 305.2 – इस घटक के माध्यम से संस्कृत के संख्यावाची शब्दों का ज्ञान विद्यार्थियों को कराया जाएगा। CLO : 305.3 – इस घटक का उद्देश्य है। राज्यीय एवं राष्ट्रीय ध्येयवाक्यों का बोध कराना । CLO : 305.4 – फल एवं सब्जियों के संस्कृत नामों का अवबोध इस घटक का अभिधेय है।		
Credits – 2	Theory	Practical	Total
	2		3
Contact Hours	30		30

Max. Marks: 50 Internal Assessment Marks: 15 End Term Exam Marks: 35	Time: 3 Hrs.

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. 1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 35 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (7) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए। ये प्रश्न वैकल्पिक होंगे ।

Unit	Topics	Contact Hours
I	सन्धि 7 अंक दीर्घ, गुण, वृद्धि, यण्, अयादि (क) सन्धि 4x1=4 अंक (ख) सन्धिविच्छेद 3x1=3 अंक	8
II	संख्या एक से सौ तक संस्कृतसंख्यावाची शब्द 7 अंक (क) संख्या शब्दों का संस्कृत रूप 7x1=7 अंक (किन्हीं 10 में से 7 लिखें)	7
III	ध्येयवाक्य 7 अंक राज्य एवं राष्ट्रीय संस्थानों के ध्येयवाक्य संस्थानों के संस्कृत ध्येय वाक्य लिखें (10 में से 7)	8
IV	फल एवं सब्जियों के संस्कृत नाम 7 अंक फल तथा सब्जियों के संस्कृत नाम लिखें (10 में से 7)	7

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 15 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 4 • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 4 • Mid-Term Exam: 7	**End Term Examination:** **35 Marks**

Part C-Learning Resources
Recommended Books/e-resources/LMS: 1. द्विवेदी कपिलदेव, प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, उत्तरप्रदेश 2. संस्कृतस्य वर्चस्वम्, प्रो. निगम स्वरूप आचार्य, महान प्रिंटर्ज, नाभा गेट संगरूर पंजाब (ध्येयवाक्यहेतु)

Session: 2023-24	
Part A - Introduction	
Subject	
Semester	
Name of the Course	Value Added Course
Course Code	B23-VAC-315, भारतीय ज्ञानपरम्परा एवं पद्धति
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	VAC–4
Level of the course (As per Annexure-I	100–199
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO : 315.1 – भारतीय ज्ञान परम्परा एवं पद्धति के स्वरूप के अन्तर्गत शिक्षा के उद्देश्य एवं गुरुकुल शिक्षा व्यवस्था का ज्ञान प्रस्तुत घटक में कराया जाएगा। CLO : 315.2 – प्राचीन भारतीय शिक्षा के क्षेत्र के अन्तर्गत 14 विद्याओं और 64 कलाओं का परिचयात्मक ज्ञान कराना इस घटक का प्रयोजन है। CLO : 315.3 – इस घटक के माध्यम से प्राचीन भारतीय शिक्षा-संस्थानों से विद्यार्थियों को परिचित कराया जाएगा। CLO : 315.4 – तैत्तिरीयोपनिषद् की शिक्षावल्ली वैदिक शिक्षा-पद्धति के स्वरूप की परिचायक है। इसका ज्ञान प्रस्तुत घटक द्वारा कराया जाएगा।

Credits – 2	Theory	Practical	Total
	2	--	2
Contact Hours	30	--	30
Max. Marks: **50** **Internal Assessment Marks:** **15** **End Term Exam Marks:** **35**		**Time: 12 Hrs.**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 35 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (7) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए। ये प्रश्न वैकल्पिक होंगे ।

Unit	Topics	Contact Hours
I	शिक्षा के उद्देश्य, गुरुकुल व्यवस्था 7 अंक आचार्य, गुरु और उपाध्याय दो टिप्पणियाँ अथवा एक निबन्धात्मक प्रश्न	7
II	शिक्षा के क्षेत्र 14 विद्याएँ एवं 64 कलाएँ 7 अंक दो टिप्पणियाँ अथवा एक निबन्धात्मक प्रश्न	8
III	शिक्षा संस्थान 7 अंक तक्षशिला, काशी, कश्मीर, काँची, नालन्दा विक्रमशिला, धारा, वल्लभी दो टिप्पणी 2x3½= 7 अंक	7

IV	तैत्तिरीयोपनिषद् शिक्षावल्ली 11वाँ अनुवाक 7 अंक (क) मन्त्र व्याख्या 1x4= 4 अंक (ख) संक्षिप्त टिप्पणी 1x3= 3अंक	8

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 15 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 4 • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 4 • Mid-Term Exam: 7	**End Term Examination:** **35 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. भारतीय संस्कृति, दीपक कुमार, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. प्राचीन भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. हिन्दू संस्कार (सामाजिक एवं आर्थिक अध्ययन) चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
4. मनुस्मृति (1–13 भाग) सम्पादित एवं व्याख्या, उर्मिला रूस्तोगी, जे॰पी॰ पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

Session: 2023-24	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	IV
Name of the Course	Ability Enhancement Course
Course Code	B23-AEC-134, संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण-4
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	AEC–4
Level of the course (As per Annexure-I	
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO : 405.1 – इस घटक के माध्यम से संस्कृत भाषा-दक्षता हेतु तीनों लिङ्गों में सर्वनाम शब्द-प्रयोग तथा द्वितीया विभक्ति का वाक्यप्रयोग सिखाया जाएगा। CLO : 405.2 – इस घटक में संस्कृत के प्रमुख प्रत्यय तथा तृतीया व चतुर्थी विभक्ति का वाक्यप्रयोग का ज्ञान होगा। CLO : 405.3 – इस घटक के द्वारा पञ्चमी, षष्ठी, सप्तमी का वाक्यप्रयोग सिखाया जाएगा। CLO : 405.4 – दैनन्दिन व्यवहार में प्रयुक्त होने वाले वाक्यों द्वारा सम्भाषण करना। इस घटक के द्वारा सिखाया जाएगा।

Credits – 2	Theory	Practical	Total
	2	--	2
Contact Hours	30	--	30
Max. Marks: 50 **Internal Assessment Marks: 15** **End Term Exam Marks: 35**		**Time: 3 Hrs.**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 35 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (7) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए। ये प्रश्न वैकल्पिक होंगे ।

Unit	Topics	Contact Hours
I	संस्कृतस्वाध्यायः, प्रथमा दीक्षा, वाक्य व्यवहारः 7 अंक प्रथमस्तबकः 1-4, द्वितीयस्तबकः 1, 3 दोनों स्तबकों के आधार पर वाक्यनिर्माण 1x7=7 (10 में से 7)	7
II	संस्कृतस्वाध्यायः, प्रथमा दीक्षा, वाक्य व्यवहारः 7 अंक चतुर्थस्तबकः 1-4, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन् तथा तृतीया व चतुर्थी विभक्ति के आधार पर वाक्य निर्माण 1x7=7 (10 में से 7)	8

III	संस्कृतस्वाध्यायः, प्रथमा दीक्षा, वाक्य व्यवहारः पञ्चमस्तबकः 1-3 पञ्चमी, षष्ठी व सप्तमी विभक्ति तथा संख्यावाची शब्दों के आधार पर वाक्य प्रयोग 1x7=7 (10 में से 7)	**8**
IV	संस्कृतस्वाध्यायः, प्रथमा दीक्षा, सम्भाषणम् 7 अंक 1-10 अध्याय दैनिक व्यवहार से सम्बन्धित वाक्यों का प्रयोग 1x7=7 (10 में से 7)	**7**

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 15 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 4 • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 4 • Mid-Term Exam: 7	**End Term Examination:** **35 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. संस्कृतस्वाध्यायः, प्रथमा दीक्षा, वाक्यव्यवहारः सम्पादकः वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थानम्, नव देहली
2. संस्कृतस्वाध्यायः, प्रथमा दीक्षा, सम्भाषणम्, सम्पादकः वेम्पटि कुम्बशास्त्री, राष्ट्रीय संस्कृतसंस्थानम्, नव देहली

Session: 2023-24	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	4th
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	B23-SKT-401, महाकाव्यम्, उपन्यासः एवं शब्दप्रक्रिया
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	MCC-6
Level of the course (As per Annexure-I	200-299
Pre-requisite for the course (if any)	--
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO. 401. 1 : संस्कृत साहित्य में महाकाव्य काव्य का महत्त्वपूर्ण भाग है। महाकाव्य में इतिहास प्रसिद्ध व्यक्ति के चरित्र पर प्रकाश डाला जाता है। कालिदास रचित रघुवंश महाकाव्य इतिहास प्रसिद्ध है। इसमें अनेक राजाओं के जीवन चरित पर प्रकाश डाला गया है एवं वर्तमान समय की भौगोलिक राजनीति, सामाजिक, आर्थिक बिन्दुओं पर प्रकाश डाला जाता है जिससे छात्रों में समझ उत्पन्न होती है। CLO. 401. 2 : आधुनिक भारत के इतिहास के साथ-साथ प्राचीन भारत का इतिहास भी अबिकादत्त व्यास के उपन्यास में देखने को मिलता है। वर्तमान भारत की दुर्दशा तथा प्राचीन भारत को समृद्ध परम्परा के माध्यम से छात्रों को देशभक्ति एवं प्राचीन भूतों से सीख लेने को शिक्षा इसमें मिलती है। CLO. 401. 3 : व्याकरण भाषा को जानने एवं समझने की एक वैज्ञानिक व्यवस्था है। व्याकरण के बोध से भाषा को समझने एवं उसके प्रयोग को विधि समझने में छात्रों को सहायता मिलती है।

	CLO. 401. 4 : इस घटक में संज्ञाप्रकरण के माध्यम से व्याकरण में प्रयुक्त होने वाली संज्ञाओं को ज्ञान विद्यार्थियों को करवाया जाता है।		
Credits 4	Theory + Tutorial	Practical	Total
	3+1	------------------	4
Contact Hours	60	------------------	60
Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**		**Time: 3 Hrs.**	

Part B- Contents of the Course

<u>Instructions for Paper- Setter</u>

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 70 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न चौदह (14) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढे तीन (3.5) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	कालिदास, रघुवंश– द्वितीय सर्ग। 14अङ्का: (क) दो श्लोकों की व्याख्या। (2×5=10अङ) (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न अथवा पाठ्यांश का सार। (4अङ)	15
II	अम्बिकादत्त व्यास, शिवराजविजय– द्वितीय नि:श्वास 14अङ्का: (क) व्याख्या। (10अङ) (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न अथवा पाठ्यांश का सार। (4अङ)	15
III	**घटक-III :** संस्कृत–व्याकरण : 14अङ्का: (क) वाच्य- कर्तवाच्य, कर्मवाच्य तथा भाववाच्य। (5अङ्क) (ख) तद्धित प्रत्यय- मतुप्, इनि, ठन्, त्व, तल् तथा छ। (5अङ्क)	15

	(ग) <u>णिजन्त तथा सन्नन्त</u> धातु के सिद्ध रूप (केवल लट् लकार में)- भू, पठ्, गम्, पा, लिख्, श्रु, कृ, दा, स्था, हन्। (4अङ्क)	
IV	(क) वरदराज, लघुसिद्धान्तकौमुदी– संज्ञाप्रकरण (सोदाहरण सूत्रव्याख्या)। 7अङ (ख) अनुवाद – सरल हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद। 7अङ	15

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 Marks • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination:** 70 Marks

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1 रघुवंश कालिदासकृत, व्याख्याकार हरगोविंद शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान वाराणसी

2 शिवराजविजय –अम्बिरकादत्तव्यास, MLBD, Delhi

3 लघुसिद्धांत कौमुदी – MLBD, Delhi

Kurukshetra University
Kurukshetra

Scheme of Examination and Syllabus for Under-Graduate Programme (Multidisciplinary)

Subject: Sanskrit

Under Multiple Entry-Exit, Internship and CBCS-LOCF in accordance to NEP-2020 w.e.f 2023-24 (in phased manner)

Kurukshetra University Kurukshetra
Scheme of Courses in Sanskrit for U.G Programme Subject Sanskrit
as per NEP 2020 (Multiple Entry-Exit, Internships and Choice Based Credit System)
(in the phased manner)

Semester	CORE COURSES Sanskrit	Paper	Nomenclature of Paper	Credits	Contact hours (Theory+ Tutorial)	Internal Marks	External Marks	Total	Duration of Exam (Hrs.)
I	CC-1/ MCC-1	B23-SKT-101	नीतिसाहित्यं व्याकरणं च	4	4	30	70	100	3
	MCC-2	B23-SKT--102	रघुवंशं बुद्धचरितं च	4	4	30	70	100	3
	MDC-1	B23-SKT-103	संस्कृत–सम्भाषणम्	3	3	25	50	75	3
	CC-M1	B23-SKT-104	प्रयोगात्मक–संस्कृतम्	2	2	15	35	50	2
II	CC-2/ MCC-3	B23-SKT-201	श्रीमद्भगवद्गीता, स्वस्थवृत्तं छन्दशास्त्रं च	4	4	30	70	100	3
	DSEC-1	B23-SKT-202	किरातार्जुनीयं नीतिशतकं च	4	4	30	70	100	3
	MDC-2	B23-SKT-203	योगासनम् एवं ध्यानम्	3	3	25	50	75	3
	CC-M2	B23-SKT-204	संस्कृत–चयनिका	2	2	15	35	50	2
Internship of 4 Credits of 4-6 weeks duration after 2nd Semester									
III	CC-3/ MCC-4	B23-SKT-301	ऐतिहासिकमहाकाव्यम् एवं व्याकरणम्	4	4	30	70	100	3
	MCC-5	B23-SKT-302	स्वप्नवासवदत्तम्	4	4	30	70	100	3

	MDC-3	B23-SKT-303	यज्ञप्रक्रियायाः वैज्ञानिकाधारः एवं वर्णोच्चारणम्	3	3	25	50	75	3
IV	CC-4 / MCC-6	B23-SKT-401	महाकाव्यम् उपन्यासः एवं शब्दप्रक्रिया	4	4	30	70	100	3
	MCC-7	B23-SKT-402	आधुनिक–संस्कृतसाहित्यम्	4	4	30	70	100	3
	MCC-8	B23-SKT-403	काव्यशास्त्रम्	4	4	30	70	100	3
	DSE-1	B23-SKT-404	काव्यदीपिका वृत्तरत्नाकरः च	4	4	30	70	100	3
		OR							
		B23-SKT-405	संस्कृतसाहित्ये राष्ट्रवादः	4	4	30	70	100	3
Internship of 4 Credits of 4-6 weeks duration after 4th Semester									
V	CC-5/ MCC-9	B23-SKT-501	वैदिकसाहित्यपरिचयः, नाटकम् एवं व्याकरणम्	4	4	30	70	100	3
	MCC-10	B23-SKT-502	लघुसिद्धांतकौमुदी प्रक्रिया च	4	4	30	70	100	3
	DSE-2	B23-SKT-503	दशकुमारचरितं शिवराजविजयं च	4	4	30	70	100	3
		OR							
		B23-SKT-504	धर्म, संस्कृतिः दर्शनं च	4	4	30	70	100	3
	DSE-3	B23-SKT-505	भारतीयपरिप्रेक्ष्ये व्यक्तित्वविकासः	4	4	30	70	100	3
		OR							
		B23-SKT-506	संस्कृतमहाकाव्यकाराः गद्यकाराः नाट्यकाराः च	4	4	30	70	100	3

VI	CC-6/ MCC-11	B23-SKT-601	नाटकं, लौकिकसाहित्यम् एवं व्याकरणम्	4	4	30	70	100	3
	MCC-12	B23-SKT-602	उपनिषद्–गीतानुसारं जीवनदर्शनम्	4	4	30	70	100	3
	DSE-4	B23-SKT-603	संस्कृतसाहित्ये नीतिः आचारः च	4	4	30	70	100	3
		OR							
		B23-SKT-604	संहिता, व्याकरणम् एवं दर्शनम्	4	4	30	70	100	3
	DSE-5	B23-SKT-605	आयुर्वेद एवं वास्तुशास्त्रम्	4	4	30	70	100	3
		OR							
		B23-SKT-606	सन्तुलितजीवन–पद्धतिः	4	4	30	70	100	3

Scheme of Courses in **Sanskrit** for **UG Honours** Programme

Semester	Core courses Sanskrit	Paper	Nomenclature	credits	Contact hours	Internal Assessment Marks	External Marks	Total	Duration of Exam (Hrs.)
VII	CC-H1	B23-SKT-701	वेद : विशिष्ट–अध्ययनम् 1	4	4	30	70	100	3
	CC-H2	B23-SKT-702	साहित्यम् : विशिष्ट–अध्ययनम् 1	4	4	30	70	100	3
	CC-H3	B23-SKT-703	भारतीयदर्शनम् : विशिष्ट–अध्ययनम् 1	4	4	30	70	100	3
	DSE-H1	B23-SKT-704	व्याकरणम् एवं भाषाविज्ञानम्	4	4	30	70	100	3
		OR							
		B23-SKT-705	धर्मशास्त्रम्	4	4	30	70	100	3
	PC-H1	B23-SKT-706	व्याकरणप्रक्रिया	4	4	30	70	100	3
VIII	CC-H4	B23-SKT-801	वेद : विशिष्ट–अध्ययनम् 2	4	4	30	70	100	3
	CC-H5	B23-SKT-802	साहित्यम् : विशिष्ट–अध्ययनम् 2	4	4	30	70	100	3

	CC-H6	B23-SKT-803	भारतीयदर्शनम् : विशिष्ट–अध्ययनम् 2	4	4	30	70	100	3
	DSE-H2	B23-SKT-804	तन्त्रागमः	4	4	30	70	100	3
		OR							
		B23-SKT-805	वास्तुशास्त्रम्	4	4	30	70	100	3
	PC-H2	B23-SKT-806	शोधप्रविधिः	4	4	30	70	100	3

Scheme of Courses in **Sanskrit** for **UG Honours with Research Programme**

Semester	Core courses Sanskrit	Paper	Nomenclature	credits	Contact hours	Internal Assessment Marks	External Marks	Total	Duration of Exam (Hrs.)
VII	CC-H1	B23-SKT-701	वेद : विशिष्ट–अध्ययनम् 1	4	4	30	70	100	3
	CC-H2	B23-SKT-702	साहित्यम् : विशिष्ट–अध्ययनम् 1	4	4	30	70	100	3
	CC-H3	B23-SKT-703	भारतीयदर्शनम् : विशिष्ट–अध्ययनम् 1	4	4	30	70	100	3
	DSE-H1	B23-SKT-704	व्याकरणम् एवं भाषाविज्ञानम्	4	4	30	70	100	3
		OR							
		B23-SKT-705	धर्मशास्त्रम्	4	4	30	70	100	3
	PC-H1	B23-SKT-706	व्याकरणप्रक्रिया	4	4	30	70	100	3
VIII	CC-H4	B23-SKT-801	वेद : विशिष्ट–अध्ययनम् 2	4	4	30	70	100	3
	CC-H5	B23-SKT-802	साहित्यम् : विशिष्ट–अध्ययनम् 2	4	4	30	70	100	3
	Project/ Dissertation B-23-SKT-807		**Research**		**12**			**300**	

(Value Added Courses)									
I	VAC-307	B23-VAC-307	पंचकोश : सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास	2	2	15	35	50	2
II	VAC-312	B23-VAC-312	प्रारंभिक संस्कृत भाषा ज्ञान	2	2	15	35	50	2
III	VAC-313	B23-VAC-313	संस्कृत साहित्य में नाट्य एवं रंगमंच	2	2	15	35	50	2
IV	VAC-315	B23-VAC-315	भारतीय ज्ञान परम्परा एवं पद्धति	2	2	15	35	50	2

(Ability Enhancement Course)									
Semester I	AEC -1	B23-AEC-131	संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण-1	2	2	15	35	50	2
Semester II	AEC -2	B23-AEC-132	संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण-2	2	2	15	35	50	2
Semester III	AEC -3	B23-AEC-133	संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण-3	2	2	15	35	50	2
Semester IV	AEC -4	B23-AEC-134	संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण-4	2	2	15	35	50	2

4th Semester Subject: Health & Physical Education
(According to NEP2020 implemented from Session 2024 – 25(IIHS from session 2023-24)
Vocational - 2

Part A - Introduction

Subject:	Health & Physical Education		
Semester	4th Semester		
Name of the Course	**Training in Yoga Asanas**		
Course Code	**B23-VOC-213**		
Course Type:	**Vocational - 2**		
Level of the Course	100 - 199		
Pre-requisite (if any)	It is open for all		
Course Learning Outcomes (CLOs):	After completing this course, the learner will be able to: 1. Describe the aims, objectives and philosophy of yoga. 2. Explain the philosophy behind various schools of yoga 3. Explain the various types of yoga, pranayama, Shatkarmas, Bandhas and Mudras. 4. Demonstrate various simple and advance asanas. 5. Able to perform Rubber and Jal Neti 6. Able to perform various types of Paranayamas		
Credits	**Theory**	**Practical**	**Total**
	2	2	4
Contact Hours	2 hours per week	4 hours per week (Size of practical group = 20 students)	6

Max. Marks: 100 **Part I - Theory = 50** **(Internal Assessment - 15 Marks + End Term Exam – 35 Marks)** **Part II - Practical = 50** **(Internal Assessment - 15 Marks + End Term Exam – 35 Marks)**	Time: 3 Hours **For End Term Exam**

Part B- Content of the Course

Instructions for Paper- Setter:

The question paper will consist of five Units I, II, III and IV. Units I, II & III will have two questions from their respective Units of the Syllabus and will carry 10 marks each. Unit Vth will consist of 5 short answer type questions, which will cover the entire syllabus and will carry 1 mark for each question.

Unit	Topics	Contact Hours
I	**Introduction of Yoga** • Meaning and Definitions of Yoga • Philosophical aspect of Yoga, • Aim and Objectives of Yoga. • Principles of Yoga, Misconceptions and clarifications of Yoga • Relationship of yoga with Education and Sports	10
II	**Schools of Yoga and its brief Introduction.** • Meaning of Hatha Yoga, Bhakti Yoga, Jnana Yoga, Karma Yoga, Raja Yoga, Mantra Yoga, Laya Yoga and Yantra Yoga, • Astanga Yoga: Yama, Niyama, Asana, Pranayama, Pratyahara, Dharana, Dhyana, Samadhi, • Contributions to yoga by Swami Ramakrishna, Swami Vivekananda,	10

	, Maharishi Mahesh yogi, Swami Dayanand Saraswathi and B.K.S Iyengar.	
III	**Parts of Yoga:** • Asana: Meaning, types and Principles. • Pranayama: Meaning, types and principles. • Shatkarmas: Meaning, types and principles. • Bandh & Mudra: Meaning, types and principles.	10

Suggested Evaluation Methods:

Maximum Marks: 50 (Internal Assessment - 15 Marks + End Term Exam – 35 Marks)

Internal Assessment:	End Term Exam: 50 Marks Time = 3 hrs
Continuous ComprehensiveEvaluation (CCE): 15 Marks Seminar/ Assignment/Quiz/class test, etc. = 5 Mid Term Test = 10	One question of 10 marks from each Units I to III = 30 Marks. Five Questions short answer from entire syllabus = 5 × 1 Marks = 5 Marks.

Part II – Practical

(Internal Assessment - 15 Marks + End Term Exam – 35 Marks)

Unit	Topics	Marks distribution	Contact Hours
I	Basic Asanas = At least 15 Advance asanas = 5	10 +5 Marks	20
II	Rubber Nati , Jal Neti	10 Marks	20
III	**Pranayamas:** Anulom-vilom , Bhramari, Ujjayi , Kapalbhathi **and** Bhastrika	10 Marks	20
	Internal Assessment: 15 Marks Evaluation through Skill Test/ Assignments/ Quiz/ Viva Voce/ Practical Record File (5 Marks for Each)	**End Term Exam: 35 Marks** Evaluation through performance in Skill Test/ Demonstration/ Viva Voce/ Practical Record File (10 Marks for Each)	

Part C-Learning Resources

- Anand Omprarkash (2001). Yog Dawra Kaya Kalp, Kanpur. Sewasth Sahitya Perkashan
- Iyengar, B.K.S. (1995). Light on Yoga : The Bible of Modern Yoga. Schocken Publishers, USA.
- Kaminoff, L. et al (2007). Yoga Anatomy. Human Kinetics, USA.
- Kirk, M. (2005). The Hatha Yoga Illustrated. Human Kinetics, USA.
- Mukerji, A.P. (2010). The Doctorine and Practice of Yoga. General Books, LLC, New Delhi.
- Norton, W.W. (2010). Yoga for Osteoporosis : The Complete Guide. W.W. Norton & Company, USA
- Sarin N (2003). Yoga Dawara Rogoon Ka Upchhar. Khel Sahitya Kendra •
- Swami Rama, (2001). Breathing. Rishikesh Sadhana Mandir Trust.
- Swami Ram (2000). Yoga & Married Life. Rishikesh Sadhana Mandir Trust
- Swami Swatma Ram: Patanjali Yoga Sutra
- Swami Veda Bharti (2000). Yoga Polity. Economy and Family. Rishikesh Sadhana Mandir Trust